(ख) उक्त नियुक्तियों में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के श्रेणीवार कितने कितने लोग नियुक्त किए गए ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (डा० कर्ण सिंह) : (क) और (ख) अपेक्षित सूचना निम्न प्रकार है —

अकबर होटल मे पदो का वर्गीकरण सरकारी नौकरी की तरह नही किया जाता है। तथापि, सम्बन्धित कर्मचारियो के कुल मिलाकर वेतन के आधार पर स्थित निम्न-प्रकार है

भरे गये पदो की सख्या	नियुक्त किये गये अनुसूचित जातियो तथा अनुसूचित जन-जातियो के उम्मीदवारो (कैंडीडेट्स) की सख्या	
	अनुसूचित जातिया	अनुसूचित जन-जातिया
श्रेणी i 4	—	—
श्रेणी ii 11	—	—
श्रेणी iii 305	36	3
श्रेणी iv —	—	—

आयात और निर्यात में बढ़ता हुआ अन्तर

1700. **श्री श्रीकृष्ण अग्रवाल :**
श्री महा दीपक सिंह शाक्य :

क्या विदेश व्यापार मत्री यह बताने की कृपा करेगे कि

(क) क्या आयात और निर्यात मे 1969-70 से अन्तर बढता ही जा रहा है ;

(ख) यदि हा, तो उसका क्या कारण है, और

(ग) इस समय क्या स्थिति है तथा निर्यात बढाने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है ?

विदेश व्यापार मंत्रालय मे उपमत्री (श्री ए० सी० जार्ज) : (क) से (ग) भारत के विदेश व्यापार में 1968–69 म जो, 550 76 करोड रुपए का अन्तर था वह काफी कम होकर 1969–70 मे 168 82 करोड रु० रह गया तथा 1970–71 मे यह और कम हो कर 99.04 करोड रु० रह गया। इसका कारण मुख्यत खाद्य-सामग्री के आयातो मे काफी कमी और अशत हमारे निर्यातो मे वृद्धि होना है। तथापि, 1971–72 के दौरान, विशेषतया इस्पात, कपास, खनिज तल उर्वरक, मशीनरी आदि के आयातो मे स्पष्ट वृद्धि होने के कारण यह अतर पुन बढ़ कर 205.41 करोड रु० हो गया। यह रुख अब उलट गया है और भारत का 1972–73 के प्रथम पाच महीनो (अप्रैल—अगस्त) में 55.82 करोड रु० का देशी सतुलन था जबकि गत वर्ष की इसी अवधि के दौरान 125.16 करोड रु० का प्रतिकूल संतुलन था।

निम्नोक्त तालिका मे 1968–69 से लेकर भारत के कुल व्यापार संतुलन के आंकडे दिए गये हैं :

वर्ष	आयात	निर्यात आयात सहित (करोड रुपये) पुनर्निर्यात	व्यापार संतुलन
1968–69	1908 63	1357 87	−550 76
1969–70	1582 10	1113 28	−168.82
1970–71	1634 20	1535 16	−99.04
1971–72	1812 02	1606 61	−205.41
अप्रैल-अगस्त 1971	764 96	639 80	−125.16
अप्रैल-अगस्त 1972	700 45	756 27	+55.82

निर्यातों को बढाने के लिए सभी संभव प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा किए गए उपायो मे ये शामिल है। प्रतिपूर्ति लाइसेंस योजनाओ के माध्यम से आयातित कच्चे माल की आपूर्ति करना, क्षमता आवरोधो को समाप्त करना, निर्यात शुल्को को समाप्त या कम करना, आयात तथा उत्पादन शुल्को को वापस करना, दूनर्भ कच्चे माल की अधिक सप्लाई करना आदि। निर्यात रुख पर कड़ी निगरानी रखा जाती है और जब भी आवश्यकता होती है, निर्यात संवर्धन के लिए उपयुक्त कार्यवाही की जाता है।

Increase in trade with Hungary

1701. SHRI BIRENDER SINGH RAO: Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state.

(a) whether there is any possibility or an increase in trade between India and Hungary, during 1972-73 and 1973-74;

(b) whether any fresh agreement has been signed between the two countries; and

(c) if so, the salient features of the agreement and the annual increase expected in the turn over?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (SHRI A. C. GEORGE): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) The current Trade and payments Agreement, valid for a period of five years (1971-75), was signed at Budapest on 3rd March, 1971, between the Government of India and the Government of the Hungarian People Republic Copies of this Agreement are available in the Parliament Library As regards the salient features of this Agreement, attention is invited to the reply given to Unstarred Question No 1362 answered in the Lok Sabha on 28th March, 1972

At the time of signing of the Agreement, it was expected that the volume of trade between the two countries would increase at an annual rate of 10 per cent during the period of the validity of the Agreement

Meeting of Tourist Development Council in Panaji

1702 SHRI BIRENDER SINGH RAO Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state·

(a) whether a meeting of Tourist Development Council was held at Panaji during October, 1972,

(b) if so, the names of persons who participated in the meeting and the outcome of the discussions held,

(c) whether the Council has made some recommendation to Government, and